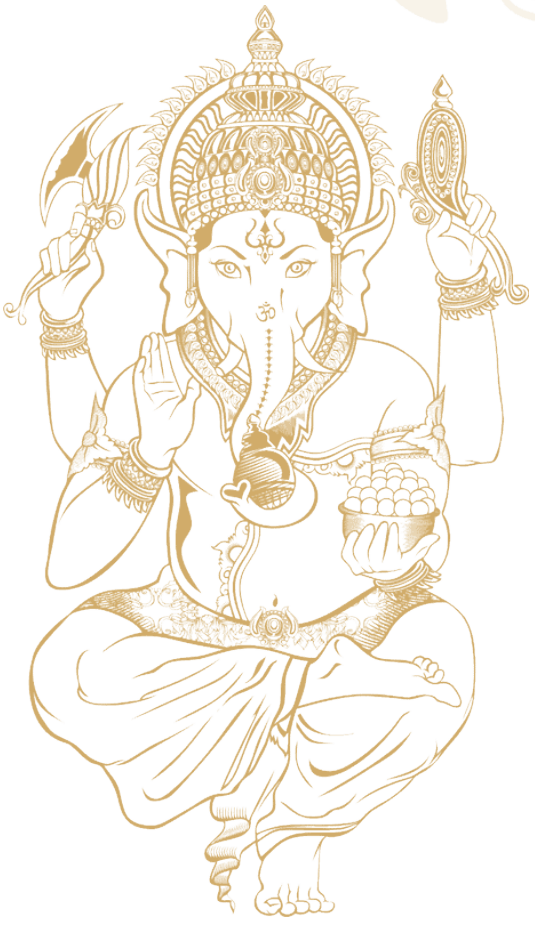

Mrs. Nitu

30 May 1980

02:25 PM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120552806

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/05/1980	जन्म तिथि	**30-31/05/2025**
शुक्रवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 14:25:00	जन्म समय	03:12:44 घंटे
घटी 22:45:07	जन्म समय(घटी)	54:44:29 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:18:57	सूर्योदय	05:18:56
19:18:30	सूर्यास्त	19:19:06
23:34:49	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:45

कन्या	लग्न	मेष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
वृश्चिक	राशि	कर्क
मंगल	राशि-स्वामी	चन्द्र
ज्येष्ठा	नक्षत्र	पुष्य
बुध	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	1
सिद्ध	योग	वृद्धि
बालव	करण	बव
या-यतीन्द्र	जन्म नामाक्षर	हू-हुस्नी
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
विप्र	वर्ण	विप्र
कीटक	वश्य	जलचर
मृग	योनि	मेष
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मेष
45	गत/तत्कालिक वर्ष	46

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
हस्त	2	14:08:27	कन्या		
रोहिणी	2	15:30:31	वृष		
ज्येष्ठा	2	21:08:48	वृश्चि		
पू०फाल्गुनी	1	15:47:52	सिंह		
मृगशिरा	4	03:47:01	मिथु		
मघा	3	08:21:19	सिंह		
आर्द्रा	1	08:23:29	मिथु	व	
पू०फाल्गुनी	4	26:39:59	सिंह		
आश्लेषा	4	29:28:40	कर्क	व	
धनिष्ठा	2	29:28:40	मक	व	
विशाखा	3	29:18:51	तुला	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मेष	06:38:14	2	अश्विनी
सूर्य			वृष	15:30:31	2	रोहिणी
चंद्र			कर्क	06:36:30	1	पुष्य
मंगल			कर्क	26:15:48	3	आश्लेषा
बुध		अ	वृष	16:24:51	2	रोहिणी
गुरु			मिथु	03:32:32	4	मृगशिरा
शुक्र			मीन	29:40:05	4	रेवती
शनि			मीन	06:12:00	1	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	29:51:57	3	पू०भाद्रपद
केतु	व		सिंह	29:51:57	1	उ०फाल्गुनी
मु			मिथु	14:08:27	3	आर्द्रा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:45

लग्न-चलित

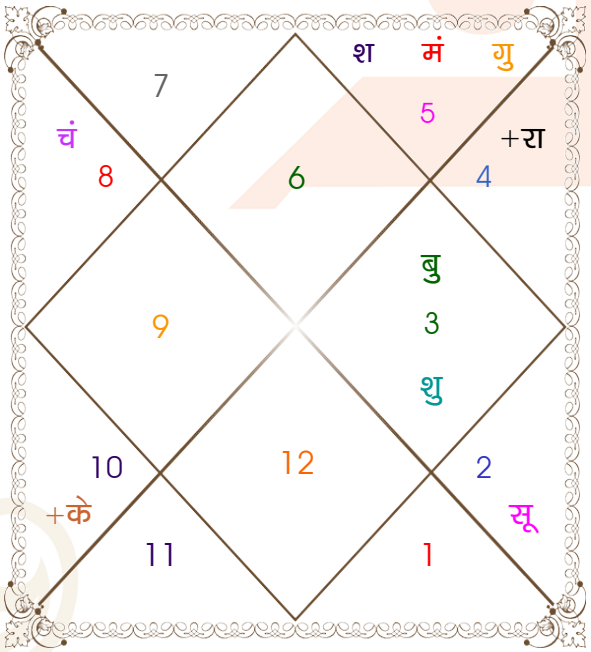

वर्ष लग्न कुंडली

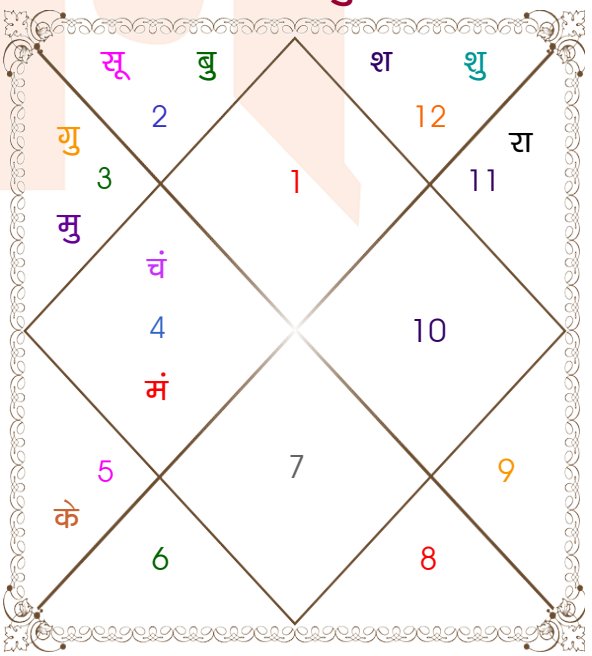

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - मंगल - शुक्र	
10/12/2025 06:13	
14/01/2026 18:28	
शुक्र	16/12/2025 04:16
सूर्य	17/12/2025 22:52
चंद्र	20/12/2025 21:54
मंगल	22/12/2025 23:37
राहु	28/12/2025 07:27
गुरु	02/01/2026 01:05
शनि	07/01/2026 16:01
बुध	12/01/2026 16:45
केतु	14/01/2026 18:28

चंद्र - मंगल - सूर्य	
14/01/2026 18:28	
25/01/2026 10:09	
सूर्य	15/01/2026 07:15
चंद्र	16/01/2026 04:34
मंगल	16/01/2026 19:28
राहु	18/01/2026 09:49
गुरु	19/01/2026 19:55
शनि	21/01/2026 12:24
बुध	23/01/2026 00:37
केतु	23/01/2026 15:32
शुक्र	25/01/2026 10:09

चंद्र - मंगल - चंद्र	
25/01/2026 10:09	
12/02/2026 04:16	
चंद्र	26/01/2026 21:39
मंगल	27/01/2026 22:31
राहु	30/01/2026 14:26
गुरु	01/02/2026 23:15
शनि	04/02/2026 18:43
बुध	07/02/2026 07:05
केतु	08/02/2026 07:57
शुक्र	11/02/2026 06:58
सूर्य	12/02/2026 04:16

चंद्र - राहु - राहु	
12/02/2026 04:16	
05/05/2026 08:37	
राहु	24/02/2026 12:07
गुरु	07/03/2026 11:06
शनि	20/03/2026 11:23
बुध	01/04/2026 02:48
केतु	05/04/2026 21:52
शुक्र	19/04/2026 14:35
सूर्य	23/04/2026 17:12
चंद्र	30/04/2026 13:34
मंगल	05/05/2026 08:37

चंद्र - राहु - गुरु	
05/05/2026 08:37	
17/07/2026 09:49	
गुरु	15/05/2026 02:23
शनि	26/05/2026 15:58
बुध	06/06/2026 00:20
केतु	10/06/2026 06:37
शुक्र	22/06/2026 10:49
सूर्य	26/06/2026 02:28
चंद्र	02/07/2026 04:34
मंगल	06/07/2026 10:50
राहु	17/07/2026 09:49

चंद्र - राहु - शनि	
17/07/2026 09:49	
12/10/2026 03:45	
शनि	31/07/2026 03:27
बुध	12/08/2026 10:24
केतु	17/08/2026 11:51
शुक्र	31/08/2026 22:50
सूर्य	05/09/2026 06:56
चंद्र	12/09/2026 12:25
मंगल	17/09/2026 13:52
राहु	30/09/2026 14:09
गुरु	12/10/2026 03:45

चंद्र - राहु - बुध	
12/10/2026 03:45	
28/12/2026 18:31	
बुध	23/10/2026 03:38
केतु	27/10/2026 16:18
शुक्र	09/11/2026 14:46
सूर्य	13/11/2026 11:54
चंद्र	19/11/2026 23:08
मंगल	24/11/2026 11:48
राहु	06/12/2026 03:13
गुरु	16/12/2026 11:35
शनि	28/12/2026 18:31

चंद्र - राहु - केतु	
28/12/2026 18:31	
29/01/2027 17:33	
केतु	30/12/2026 15:16
शुक्र	04/01/2027 23:06
सूर्य	06/01/2027 13:27
चंद्र	09/01/2027 05:22
मंगल	11/01/2027 02:07
राहु	15/01/2027 21:10
गुरु	20/01/2027 03:26
शनि	25/01/2027 04:53
बुध	29/01/2027 17:33

चंद्र - राहु - शुक्र	
29/01/2027 17:33	
01/05/2027 01:03	
शुक्र	13/02/2027 22:48
सूर्य	18/02/2027 12:22
चंद्र	26/02/2027 03:00
मंगल	03/03/2027 10:50
राहु	17/03/2027 03:33
गुरु	29/03/2027 07:45
शनि	12/04/2027 18:45
बुध	25/04/2027 17:12
केतु	01/05/2027 01:03

चंद्र - राहु - सूर्य	
01/05/2027 01:03	
28/05/2027 10:30	
सूर्य	02/05/2027 09:55
चंद्र	04/05/2027 16:42
मंगल	06/05/2027 07:03
राहु	10/05/2027 09:40
गुरु	14/05/2027 01:20
शनि	18/05/2027 09:26
बुध	22/05/2027 06:34
केतु	23/05/2027 20:55
शुक्र	28/05/2027 10:30

चंद्र - राहु - चंद्र	
28/05/2027 10:30	
13/07/2027 02:15	
चंद्र	01/06/2027 05:48
मंगल	03/06/2027 21:44
राहु	10/06/2027 18:05
गुरु	16/06/2027 20:11
शनि	24/06/2027 01:41
बुध	30/06/2027 12:55
केतु	03/07/2027 04:50
शुक्र	10/07/2027 19:27
सूर्य	13/07/2027 02:15

चंद्र - राहु - मंगल	
13/07/2027 02:15	
14/08/2027 01:16	
मंगल	14/07/2027 22:59
राहु	19/07/2027 18:02
गुरु	24/07/2027 00:19
शनि	29/07/2027 01:45
बुध	02/08/2027 14:25
केतु	04/08/2027 11:10
शुक्र	09/08/2027 19:00
सूर्य	11/08/2027 09:21
चंद्र	14/08/2027 01:16

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगे। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस वर्ष में आपको समस्त भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सुगन्धित द्रव्य, मोती आदि रत्न तथा अन्य ऐश्वर्यशाली पदार्थो को आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन इस समय आपका खुशहाल रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से इच्छित सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अत्यंत ही महत्वपूर्ण रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि कर के आप इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। मित्रों एवं संबन्धियों से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको आवास या भूमि संबंधी लाभ भी प्राप्त होगा। साथ ही संतति प्राप्ति भी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपका विस्तार होगा या किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपके प्रचुर मात्रा में लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस समय उच्चाधिकारी या राजनैतिक लोगों से आपके मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी उच्च एवं प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति हो सकती है। स्त्री वर्ग से भी आपकी मित्रता रहेगी तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही धार्मिक नेताओं से भी सम्पर्क बनें रहेंगे। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से इस समय आप स्वस्थ रहेंगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभाव तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी जिससे सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। धार्मिक एवं परोपकार संबधी कार्यो में भी इस समय आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य धार्मिक कार्य को सम्पन्न करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धा रखेंगी तथा नियमपूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगी ।इसके साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए कार्य करेंगी तथा अन्यत्र भी अपनी ओर से यथा शक्ति आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से इच्छित सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगी।

इस वर्ष में बन्धुवर्ग, मित्र एवं संबधियों से आप पूर्ण सुख सहयोग एवं सम्मान अर्जित करने में समर्थ रहेंगी तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक महत्व के लोगों से भी आप इच्छित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगी तथा ये सभी आपसे सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी मानसिक संकल्प पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य भी सिद्ध होंगे जिससे आपके हृदय में शान्ति तथा प्रसन्नता विद्यमान रहेगी। इसके अतिरिक्त किसी धार्मिक पूजन या कोई तीर्थयात्रा करने में भी आप की रूचि उत्पन्न होगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं प्रसन्नता पूर्ण होगा।